Lecture - 136.

पटना कलम शैली

— ममता रानी
Guest Assistant Professor
Deptt. of History.
SNSRKB, College,
Saharsa.

BA part - 2nd.
Paper - II.

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz

पटना कलम शैली

Q. पटना कलम (शैली) की मुख्य विशेषताओं का आलोचनात्मक वर्णन करें। अथवा,

Q. पटना कलम का विकास मुगल काल के दौरान हुआ था जिसे आम आदमी के जीवन के साथ जोड़कर देखा गया है। क्या आप सहमत हैं?

उत्तर - * औरंगजेब के समय जन्म
* नामाकरण → पटना मे उद्भव के कारण यह नाम
* मुख्य विशेषता → बिहारियो के दैनिक जीवन से संबधित सभी तथ्य।
* चित्र बनाने के लिए - हाथी दांत पर, कागज पर, वस्त्र पर
* कलाकार - हुलास लाल, माधव लाल, सेवकराय, महादेव आदि
* आलोचना - मुगल कला, यूरोपिय कला मे साधारण अंतर - आमलोगो मे सुविधा की कमि।
* निष्कर्ष साद्गी के लिए, आमजीवन के लिए सर्वोत्तम

पटनाकलम का जन्म एवं विकास पटना मे हुआ इसलिए पटना शैली नाम दे दिया गया। मुगल काल मे औरंगजेब को ~~किसी भी~~ समय कला को किसी भी प्रकार का संरक्षण नही दिए जाने के कारण राजदरबार से कलाकारो का पलायन शुरु हो गया इसी क्रम मे कुछ कलाकार पटना आ गए इन्ही लोगो ने जिस शैली को जन्म दिया उसे पटना कलम के नाम से संबोधित किया गया।

पटना कलम की मुख्य विशेषताओ के रूप मे बिहारियो के दैनिक जीवन से संबधित बातो को शामिल किया गया है। जैसे- इक्कागाड़ी चलाता हुआ व्यक्ति, मछली, मिठाई, वस्त्र तथा अन्य दैनिक उपभोग से संबधित दूकान। यातायात के साधन के रूप मे बैलगाड़ी की प्रधानता, नट - नटेरे और अन्य रूप मे मनोरंजन करते वाले लोगो से संबधित चित्रकला। मंदिर की पूजारी, गंगा के घाटो पर धार्मिक अनुष्ठान कराते पूरोहित और आमलोग अतिथि सत्कार तथा पशुओ का भी चित्रांकन किया गया है।

— इस कला को आरंभ मे हाथी के दांत पर उकेरने (चित्रांकन) का सफल प्रयास किया गया है। कालान्तर मे ये कागज एवं वस्त्रो पर भी बनाया जाने लगा। इस कला के कुछ प्रमुख कलाकार

जैसे- दुलाल लाल, माधव- लाल, सेवक राम, महादेव आदि प्रमुख है। महादेव द्वारा बनाया गया रानी गांधारी का चित्र, माधव लाल द्वारा बनाया गया हाथो मे वीणा लिए एक महिला का ऐसा चित्र जो करूणा का भाव प्रदर्शित करता है। साथ ही जमुनाप्रसाद द्वारा बेगमो की शराबखोरी और सेवक राम द्वारा बनाया निकाह का चित्र भी सर्वोत्तम माना जाता है।

यह कला मुगलकाल मे जन्म लिया इसलिए तुलनात्मक रूप मे मुगल कला एवं यूरोपिय कला के समान समृद्ध नहीं है। यह भी सत्य है कि यह आम लोगो की कला थी एवं धन का अभाव था फिर भी अपनी सादगी एवं आमलोगो की बिहारीपन जीवन के लिए काफी महत्वपूर्ण है। भले ही इसका पतन 19वी शताब्दी के अंत मे हो गया।

*** *** ***

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz